मद्यपा: निं न जल्पित Trunkenbolde, Betrunkene Spr. 615. 390. 2704. Разайдавн. 16, b. — 2) m. N. pr. eines Danava Hariv. 12940.

मचपङ्क (मख + पङ्क) m. Maische H. 904.

मद्यपान (मद्य + 1. पान) n. der Genuss berauschender Getränke MBu. 5,1078. Suga. 1,174,10. Weber, Râmat. Up. 355. Panéat. 35,15. 218,12. Verz. d. Oxf. H. 91, b, 20. ein berauschendes Getränk: ततः सङ् तया नार्या मद्यपानम्थापिञ्जत् Mârk. P. 17,22.

मखपाशन (मखप + ञ्र°) n. der Imbiss eines Säufers H. 907. fälschlich मखपासन Wilson und ÇKDa. nach ders. Aut.

मखपीत adj. = पीतमख gaņa म्राक्तिग्रयादि zu P. 2,2,37.

मखपुष्पा (मख + पुष्प) f. Grislea tomentosa Roxb. Rágan. im ÇKDa. ेपुष्पी Wilson nach ders. Aut.

मुखबीत (मृख + बोत) n. Weinhefe H. 905.

मद्यभाजन (मद्य 🕂 भा °) n. ein Gefäss, aus dem berauschende Getränke getrunken werden, Hân. 170.

मध्यभागुड (मध्य + भा°) n. ein Gefäss für berauschende Getränke M. 11,147. Pankar. 36,16.

मधामाउ s. u. माउ 1, c.

मखवासिनी (मख + वा°) f. Grislea tomentosa Roxb. Ratnam. 164. Râéan. im ÇKDa. — Vgl. मखपुष्पा.

मखसंधान (मख + सं°) n. das Branntweinbrennen H. 905.

मखामाद (मध + ब्रा°) m. Mimusops Elengi Rågan. im ÇKDa.

मधासत्तक m. N. pr. eines Mannes Råéa-Tar. 8,276. Vielleicht fehlerhaft für मधासकक

मुद्रें (von 1. मुद्रें) Unadis. 2,13. 1) n. Freude H. 86. mit dat. oder gen. beim Wunsche P. 2,3,73. महं देवदत्ताय oder ेदत्तस्य Sch. masc. Uććval. - 2) m. pl. N. pr. eines Volkes Lassen in Z. f. d. K. d. M. 3,212. fgg. CAT. BR. 14,6,3,1. 7,1. AV. PARIÇ. in Verz. d. B. H. 92 (50). P. 4,2,108. 131. MBH. 3, 16620. HARIV. 784. VARAH. BRH. S. 4, 22. 14, 22. 32, 19. Weber, Nax. II,392. शाकलं नाम मद्रेषु बभूव नगरं पुरा Катыл. 44,17. VP. 177. Mark. P. 57,44. 58,45. मद्राणी समृद्धिः सुमद्रम् Vop. 6,61. स्त्री-णां महस्त्रिया मलम् MBn. 8,2093. महभुतिङ्गाः (महकलिङ्गाः ed. Bomb.) 6,349 (VP. 187). मंद्रेश (so ed. Bomb. st. महज 7,1602. Varan. Ban. S. 14, 33. महे स्वरूप Harry. 5083. ° हाज 4968. 6702. Mârk. P. 132, 46. ° मएडल Rica-Tab. 8,1533. ्वाणिजा: Kaufleute, die nach Madra gehen, P. 6, 2,18, Sch. ॰सविध, ॰सनीउ, ॰समर्याद, ॰सवेश, ॰सदेश 28, Sch. उत्तरमद्राः Art. Br. 8, 14; vgl. पार्वमह. मह sg. das Land der Madra Ućéval. MBu. 8,2086. ein Fürst der Madra Haniv. 5013. 5494. °디데 eine Tochter des Königs der Madra, Pāṇḍu's zweite Gemahlin, Çabdan. im ÇKDn. मुद्री eine Fürstin der Madra P. 4,1,177, Sch. Madra ein Sohn Çivi's, der Urahn des Volkes, VP. 444. Buig. P. 9,23,3. — 3) f. 돼 a) N. pr. einer Tochter Raudraçva's Hanv. 1661, wo die neuere Ausg. wie LANGLOIS भेद्रा य मद्रा liest. — b) N. pr. eines Flusses VP. 185, N. 80. - c) eine Personification der ersten Mürkhana im Gandhara-Grāma As. Res. \$,469. — 4) f. ई s. u. 2. — Vgl. महका, माह.

मैंद्रक (von मद्र) P. 4,2,131. 1) adj. = माद्रा भिक्तरस्य P. 4,3,100, Sch. f. मिद्रका in भार्य, कत्त्य, भानिन् 6,3,37, Sch. — 2) m. pl. N. eines verachteten Volkes, = मद्र MBH. 2,119. 6,2097. 7,692. 8,1836. fgg.

महकार (मह + 1. कार्) adj. Freude bereitend P. 3,2,44. Vop. 26.58. महकूल (मह + कूल) gana धूमादि zu P. 4,2,127. — Vgl. माहकूलक. महेकार (महम्, acc. von मह, + 1. कार्) adj. = महकार P. 3,2,44. Vop. 26,58. Так. 3,1,1.

महमार m. N. pr. eines Mannes Ind. St. 4, 372. ंगारि Ралуава̀ры. in Verz. d. B. H. 56, 7.

महनगर (मह + न °) n. die Stadt der Madra (उत्तर्देशे) P. 7, 3, 24. Sch. — Vgl. माहनगर.

महनाभ (मह → नाभ) m. eine best. Mischlingskaste MBu. 13, 2585. महप (मह → 2. प) m. Beherrscher der Madra MBu. 1,4432. 8,1866; vgl. u. महन 2.

महाकार् (मह + 1. कार्), °कोराति scheeren P. 5, 4, 67. Vop. 7, 91. vgl. भद्राकार्

मद्राबल है मुद्राबल

महाय् (von मह), ्यति, ्यते frohwerden g an a लेक्तितादि zu P. 3,1,13. महार्म (मह + श्रम्) n. P. 6,2,91. महार्मार्म n. ebend.

मिर्देक् (von मद्राञ्च) adv. auf mich zu, zu mir her: स्तुत: श्रेवस्यव्रवसीपं मुद्रिग्युक्ता क्री वृषेणा याकार्वाङ् R.V. 1,177,1. 3. 6,31,3. — Vgl. ब्रिक् मद्रिकाप् (von मद्रिका), °यते P. 6,3,37, Sch.

महुकस्थली (म॰ + स्थ॰) f. gaṇa घूमादि zu P. 4,2,127. — Vgl. मा-इकस्थलक.

मैंदुम्रकन्य (मदुम्र? + कन्या) n. gaṇa चिक्षाादि zu P. 6,2,125. मर्बोञ्च (मत् + स्रञ्च) adj. gegen mich gewandt: वर्कतु ला क्रिया मर्बा-ञ्चम् ११४. 7,24,3. adv.: स्ना तू ने इन्द्र मुद्योग्युवान: (याकि) 3,41,1. nom. sg. nach Sås. — Vgl. महिक्.

मद्यक्तिंक् adv. so v. a. महिक्, mit doppeltem Suffix. स्राभिर्यादिः तूयमा मद्यहिक् हुए. 6,22,11.

महत् (von मत्) adv. wie ich Kathas. 34,228. wie mir 21,25.

मैहन (von 1. मद्) Uṇàdis. 4, 112. adj. der Frende —, dem Rausche hingegeben: उन्ह्रीय महने मुतं पर्टि शाभनु ना गिर्रः RV. 8, 81, 19. erfreuend, berauschend: इन्ह्रीय महा मध्यो मदः मुतः 9,86,85. = शिव Uééval.

महत्त् adj. 1) so v. a. महत् erfreuend, berauschend (nach dem Comm.): सञ्ज Çâñkii. Br. 16,1. 2. — 2) eine Form oder Ableitung des Zeitworts 1. मह् enthaltend Air. Br. 3,29. 38. 4,4. 6,9. 11. Çar. Br. 4,3,3,10. 11. Pańkay. Br. 8,4,5.

महर्गीपा, महर्गीप und महर्ग्य (von मत् + वर्ग) adj. zu meiner Schaar -, zu meiner Partei gehörig Siddu. K. im ÇKDa.

31